

उभयपक्ष अनुपस्थित। बार-बार आवान
लगाने पर कोई दार्जि नही आया।
अतः पत्रावली अप्रम पैटवी एवं अप्रम
दार्जरी में इसी स्तर पर दार्जि की
जाती है पत्रावली के सला सुभाएवं
से कम की जाकर दार्जिल दफ्तार है।